

आयुष कॉलेज, अस्पताल और खुलेंगी दवा कंपनियां

प्रदेश में लागू होगी नई आयुष नीति, निवेशकों को मिलेंगी कई सहूलियतें

चंद्रभान यादव

लखनऊ। प्रदेश में आयुष के क्षेत्र में निजी निवेशकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए सरकार नई आयुष नीति लाने की तैयारी कर रही है। इसके तहत आयुष कॉलेज, अस्पताल और दवा कंपनियां खोलने वाले निवेशकों को कई सहूलियतें मिलेंगी। निजी कंपनियों के निवेश से हर्बल खेती को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे।

प्रदेश में आयुष विधा के तहत खुले अस्पतालों और कॉलेजों को सुविधा संपन्न बनाया जा रहा है। इसी के साथ दक्षिण के राज्यों के मॉडल का समावेश कर यूपी को आयुष पर्यटन हब बनाने की भी योजना है। नई आयुष नीति की तीन प्रमुख श्रेणियां बनाई गई हैं। पहली श्रेणी में पीपीपी मॉडल पर कॉलेज एवं 400 बेड के अस्पताल होंगे। इनमें सभी विधाएं एक ही कैम्पस में चलेंगी। दूसरी श्रेणी में 50 से 100 बेड तक के अस्पताल और तीसरी श्रेणी में आयुष पर्यटन ग्राम होंगे। यहां पंचकर्म, कायाकल्प थेरेपी,



हर्बल खेती को बढ़ावा

प्रदेश में नौ क्लाइमेट जोन है। हर जोन में अलग-अलग औषधीय खेती के लिए अनुकूल वातावरण है। संबंधित जोन में आयुर्वेदिक दवा उत्पादन इकाई स्थापित करने पर कंपनियों को सहूलियतें दी जाएंगी। शर्त यह होगी कि संबंधित कंपनियां ज्यादा से ज्यादा कच्चा माल स्थानीय किसानों से खरीदे और उन्हें ही रोजगार उपलब्ध कराए। इससे लघु एवं सीमांत किसान औषधीय खेती कर उत्पाद कंपनियों को बेचकर कम लागत में अधिक मुनाफा कमाएंगे।

शोधना चिकित्सा, स्लिमिंग प्रोग्राम, तनाव प्रबंधन कार्यक्रम, सौंदर्य देखभाल कार्यक्रम सहित सभी सुविधाएं मिलेंगी। प्रत्येक श्रेणी में सस्ती दर पर जमीन देने के साथ ही स्टॉप शुल्क, बिजली शुल्क आदि में सहूलियतें

जहां सुविधा नहीं वहां काम करने वालों को ज्यादा अनुदान

सूत्रों का कहना है कि नई पालिसी में असेवित जिले यानी जहां सुविधा कम वहां कॉलेज, अस्पताल एवं कंपनी खोलने वालों को सर्वाधिक अनुदान मिलेगा, जबकि लखनऊ सहित अन्य महानगरों में अनुदान की दरें कम होंगी।

प्रदेश में हों हर विधा के केंद्र

कोशिश है कि आयुष से जुड़ी हर विधा के उन्नत केंद्र प्रदेश में हों। आयुष के क्षेत्र में



ज्यादा से ज्यादा निवेशक आए, इसके लिए नई नीति तैयार हो रही है। इसमें कई ऐसे प्रावधान किए जा रहे हैं, जिससे उपचार की सुविधाएं ही नहीं बल्कि

यहां की अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु, आयुष मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)।

मिलेंगी। इसके एवज पर संबंधित निवेशक को सस्ती दर पर स्थानीय लोगों को उपचार व रोजगार देने होंगे। इससे सरकारी और निजी क्षेत्र के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जिसका सीधा फायदा प्रदेशवासियों को मिलेगा।